राज
कॉमिक्स
विशेषांक
मूल्य 60.00 संख्या 2530
मैक्सिमम
सिक्योरिटी
सर्वनायक वर्ष 2012-13
सुपर कमाण्डो ध्रुव
HEMANT
EESHWAR ART
SADIA

सुपर कमांडो ध्रुव

राजनगर के आकाश में चमकता अटल सितारा जिसकी चमक के आगे अपराधियों की आंखे और हौंसले दोनों चौंधियाते रहते हैं। लेकिन अपराधियों पर ग्रहण की तरह लग जाने वाले इस अपराध विनाशक की आंखों में ज्वाला जलती रहती है। प्रतिशोध की ज्वाला। और ये ज्वाला भड़की सर्कस की उस आग से जिसने ध्रुव से उसका सब कुछ छीन लिया। उसके माता-पिता राधा, श्याम, उसके ट्रेनर्स रंजन, सुलेमान, शेरखान, पवन और हरक्युलिस, सर्कस के सारे दोस्त जानवर, सर्कस के मालिक जैकब आदि सब कुछ जलकर राख हो गया। और राख हो गया सर्कस का एक उभरता करतबबाज। अब वो प्रतिशोध की आग में जलता एक अंगारा बन चुका था जिसका रुख अब गुनहगारों के अड्डे की तरफ था यानी ग्लोब सर्कस। ध्रुव सर्कस की अलग-अलग कलाओं का धनी तो था ही दिमाग का भी धनी था। अपने इसी दिमाग के बल पर उसने हत्यारों को तिगनी का नाच नचा दिया। उसकी जगह कोई और होता तो एक-एक को मौत की सूरत दिखला देता। लेकिन उसने शपथ ली थी कि वो किसी की जान नहीं लेगा। लेकिन नियति बड़ी बलवान होती है। उसने गुनहगारों को नहीं बख्शा। इस जघन्य हादसे के जिम्मेदार ग्लोब सर्कस के मालिक बॉस और जुबिस्को को उनकी करनी का दंड देने के बाद ध्रुव दिशाहीन सा हो गया। उसे अपराध से घृणा हो गयी थी पर भविष्य की कोई योजना उसके मन में नहीं थी। तब ध्रुव को सही दिशा दिखाने सामने आये एस. एस.पी. राजन मेहरा। उन्होने ना सिर्फ ध्रुव के अपराध उन्मूलन के अभियान को एक शक्ल दी बल्कि उसे अपना पुत्र बनाकर उसका परिवार भी लौटा दिया, जिसमें शामिल थी ममता की मुर्ति मां रजनी मेहरा और एक चुलबुली, शरारती और नटखट बहन श्वेता। तब ध्रुव ने राजनगर में नींव डाली अपराध के खिलाफ मोर्चा लेने वाली कंमाडो फोर्स की। जिसके कैडेट्स हैं पीटर, करीम, रेणु और जिसका कैप्टन है सुपर कंमाडो ध्रुव। अपराध के विरूद्ध इस अंतहीन सफर मे कई नये आयाम जुड़ते चले गये। चंडिका, नताशा, ब्लैक कैट, धनंजय, सामरी, वनपुत्र जैसे दोस्त मिले तो रोबो, ध्वनिराज, चुंबा, बौना वामन जैसे समाज के दुश्मन भी मिले। लेकिन ध्रुव इन सबसे ना सिर्फ टकरा गया बल्कि उनके लिये खौफ का दूसरा नाम भी बन गया। और ये सब वो कर पाया अपनी दृढ़ इच्छा शक्ति, बेमिसाल बुद्धि और सर्कस में सीखी अपनी कलाओं के दम पर। आसपास की चीजों को हथियार बना लेना और पशु-पक्षियों से बात कर लेना ये ध्रुव की ऐसी क्षमताएं हैं जो हारी बाजी भी पलट देती हैं।

PROLOGUE

RAJNAGAR SCIENCE & RESEARCH CENTER.
MONTHS AGO.

...तो, हमारी इस आपातकालीन मुलाकात की वजह यह एलियन है।

फिलहाल यह कहना मुश्किल है कि यह एलियन है या कुछ और, लेकिन हां! तुम्हें यहां बुलाने की वजह यही है।

यह कौन है, क्या है और यहां किस वजह से आया है हम अभी इस बात से पूरी तरह अनभिज्ञ हैं।

और तब तक अनभिज्ञ रहेंगे जब तक इसे होश नहीं आ जाता।

पिछले तेरह घंटों से यह होश में नहीं आया है।

लेकिन इसके होश में आने के बाद भी हम इसके बारे में कुछ जान पाएंगे इसकी कोई गारंटी नहीं है।
और इसे आजाद रखने का खतरा हम नहीं उठा सकते।
भगवान ना करे इससे टकराव की परिस्थिति उत्पन्न हो।
खुद को अंजान परिस्थितियों और बंदी हालत में पा कर यह हमें अपना दुश्मन भी समझ सकता है।
हमारे पास इससे निपटने लायक शक्तियां हों ना हों, लेकिन स्वर्णनगरी के विज्ञान के पास इसे काबू करने के पर्याप्त साधन अवश्य होंगे। यही वह कारण है कि मैंने तुम्हें यहां बुलाया है।
लेकिन अगर ऐसा कुछ होता है तो इसे रोक पाने या बंदी बनाए रख पाने लायक शक्तियां शायद ही हमारे पास हों। और इस अंजान खतरे को मैं समय और संभावनाओं के भरोसे नहीं छोड़ सकता।
तो तुम चाहते हो कि मैं इसे अपने साथ स्वर्ण नगरी ले जा कर बंदी बनाए रखूं?
जिस तरह हमनें चंडकाल को रखा था।
नहीं! उस सूरत में स्वर्ण नगरी का अस्तित्व दुनिया के सामने जाहिर होने का खतरा है।
और मैं नहीं चाहता कि मेरी वजह से तुम या स्वर्ण नगरी किसी मुसीबत में पड़े।
तो फिर इस मामले में मैं तुम्हारी क्या मदद कर सकता हूं ध्रुव?
बताता हूं!

फिलहाल इस प्राणी के यहां होने की बात पूरी तरह दबा दी गई है। लेकिन आज नहीं तो कल बात सामने आएगी ही।
यह प्राणी हमारे लिए कोई खतरा सिद्ध ना भी हो तो भी सिर्फ इसके यहां होने की बात जाहिर होना ही राजनगर और इस देश की शांति भंग करने के लिए काफी होगा।
अन्य देश, यहां का अपराध जगत या विश्व आतंकवाद इसे अपने फायदे के लिए हासिल करने की कोशिश जरूर करेगा।
हमें इन परिस्थितियों से बचने के लिए अभी से तैयार होना पड़ेगा।
इसीलिए मैं चाहता हूं कि इसे किसी ऐसी जगह पर रखा जाए जहां की सुरक्षा को बेध पाना किसी के भी वश में ना हो।
एक ऐसी प्रिजन जिसका पता लगाना ही असंभव हो और जब पता ही नहीं लगा पाएंगे तो वहां से किसी को छुड़ाना या आजाद कराना ही एक सपना लगे।
और ऐसी जगह का निर्माण करने में तुम मेरी मदद कर सकते हो।

संजय गुप्ता पेश करते हैं। राज कॉमिक्स है मेरा जनून

मैक्सिमम सिक्योरिटी

सिटी विदाउट ए हीरो सिरीज

मंदार गंगेले
लेखक

हेमंत कुमार
चित्रांकन

ईश्वर आर्ट्स
स्याहीकार

शादाब, अभिषेक
रंग सज्जा

मंदार गंगेले
शब्दांकन

मनीष गुप्ता
संपादक

पूर्व प्रकाशित कॉमिक्स 'कोडनेम कॉमेट' और 'ब्रेकआउट' में आपने पढ़ा-

ग्रेण्डमास्टर रोबो से मुठभेड़ के दौरान हुई ध्रुव की मृत्यु के बाद कमाण्डो फोर्स को प्रतिबंधित कर राजनगर की सुरक्षा व्यवस्था की कमान सौंपी गई कमाण्डर नताशा और कमांडर फोर्स के हाथों! कमाण्डर नताशा के सामने पहली बड़ी चुनौती है मास्टर एम द्वारा नारका जेल पर करवाए गए हमले में फरार तमाम कैदियों के आतंक से राजनगर की सुरक्षा। इस युद्ध में नताशा का साथ देते हैं चंडिका और प्रतिबंधित कमाण्डो फोर्स के सदस्य और घोषित अपराधी रेणु, पीटर और करीम! लेकिन नताशा अपने फर्ज के चलते उन्हें भी गिरफ्तार करने को बाध्य है! दूसरी ओर अपनी नई जॉब के लिए राजनगर से एम्स्टरडेम पहुंची ब्लैक कैट उर्फ रिचा की मुलाकात होती है अपनी याददश्त खो चुके प्राइवेट लॉ एन्फोर्समेंट एजेंसी के कमांडो कॉमेट से जिसकी शक्ल ध्रुव से मिलती है! राजनगर में ब्रेकआउट की खबर सुन रिचा कॉमेट के साथ राजनगर के लिए रवाना होती है! इस सारे घटनाक्रम में शामिल होता है एक रहस्यमय पात्र एक कैदी के रूप में जो कि ध्रुव की ही तरह जानवरों से बात कर सकता है! अब आगे पढ़ें!

संस्थापक: राजकुमार गुप्ता, मनोज गुप्ता

CENTRAL RAJNAGAR, NOW.

तुम लोगों को कम से कम अभी के लिए इस बात को समझना होगा कि हम सभी का उद्देश्य एक ही है।
माना कमांडो फोर्स वांटेड है। लेकिन यह लोग राज-नगर के लिए ना कभी खतरा थे और ना ही इस वक्त हैं।
जो लोग खतरा हैं उन्हें पकड़ना हमारी पहली जिम्मेदारी है।
कमांडो फोर्स भी वही कर रही है जो इस वक्त तुम्हारी कमांडर फोर्स और तुम कर रही हो, नताशा!
ध्रुव होता तो वह भी यही करता क्योंकि उसके लिए राजनगर की सुरक्षा किसी भी अन्य चीज से ज्यादा महत्वपूर्ण थी।
तो ठीक है!
कमांडो फोर्स इस सिचुएशन के कंट्रोल होते ही आत्मसमर्पण कर देगी।
यह हम बाद में देखेंगे!
तुम्हें आपसी मतभेदों को सदा के लिए भूल जाना होगा।
"हमें एक दूसरे का साथ देना ही होगा, क्योंकि हमारा लक्ष्य एक है।"
"और उस लक्ष्य को पाने के लिए हमें कई हाथों की जरूरत है।"
"हमारे जितने ज्यादा हाथ होंगे उतनी ही ज्यादा हमारी जीतने की संभावना प्रबल होगी।"
"इसीलिए अलग होने की जगह हमें एकजुट होना होगा।"

SWARNA NAGARI. MONTHS AGO.

वह अत्याधुनिक कारागार जैसा कि तुम चाहते थे कुछ इस तरह दिखेगा।

राजनगर समुद्र तट से लगभग दो सौ किलोमीटर की दूरी पर समुद्र के बीचों-बीच यह मैक्सिमम सिक्योरिटी जोन बनाया जाएगा।

लेकिन सिर्फ दिखावे के लिए।

वास्तव में वह अधिकतम सुरक्षा क्षेत्र राजनगर में ही आबादी के बीचों-बीच रहेंगे इन मॉल्स के रूप में।

यह मॉल्स दुनिया भर में पाए जाने वाले अन्य मॉल्स की ही तरह होंगे, मतलब आम लोगों की जरूरत का सामान खरीदने की जगह।

लेकिन इन माल्स के नीचे होगा हाइली सिक्योर्ड अंडरग्राउंड प्रिजन यानी कि मैक्सिमम सिक्यो-रिटी जोन।

जिसकी जानकारी हमारे-तुम्हारे अतिरिक्त किसी बाहरी व्यक्ति को नहीं होगी।

केवल दिखावे के लिए अपराधियों को समुद्र के बीच स्थित सिक्योरिटी जोन में ले जाया जाएगा।

कारागार की सुरक्षा प्रणाली और अन्य सुरक्षा व्यवस्था स्वर्ण नगरी के होनहार सुरक्षा अधिकारी दिव्यांश की देख रेख में ही पूर्ण होगी।

कारागार में प्रयुक्त सुरक्षा यंत्रों में से कई यंत्रों का निर्माण इन्होंने स्वयं किया है जो कि स्वर्ण नगरी के सुरक्षा तंत्र में भी प्रयुक्त किए जाते हैं।

अतः वहां की सुरक्षा व्यवस्था को बेध पाना उतना ही नामुमकिन होगा जितना कि स्वर्ण नगरी की सुरक्षा व्यवस्था को बेधना!

कारागार में किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर मेरी भी पूरी नजर रहेगी।

अतिरिक्त सावधानी के तौर पर कारागार की सुरक्षा व देख-रेख में तैनात कर्मचारी स्वर्ण नगरी के ही योद्धा होंगे।

लेकिन इन योद्धाओं का राज दुनिया पर जाहिर ना हो इसकी जिम्मेदारी तुम्हें लेनी होगी, ध्रुव!

निश्चिन्त रहो, धनंजय! कारागार की सुरक्षा तंत्र के भीतर कोई बाहरी व्यक्ति नहीं होगा।

"मैं सही कह रही हूं, चंडिका।"

"सुरक्षा कारणों से उस जोन के बारे में चुनिन्दा लोग ही जानते हैं! जिनमें से एक ध्रुव भी था!"

"सुना है उस जोन का निर्माण ध्रुव के कहने पर ही किया गया था और कई किलोमीटर क्षेत्र में फैले उस जोन का निर्माण आश्चर्यजनक रूप से कुछ ही महीनों में हो गया था!"
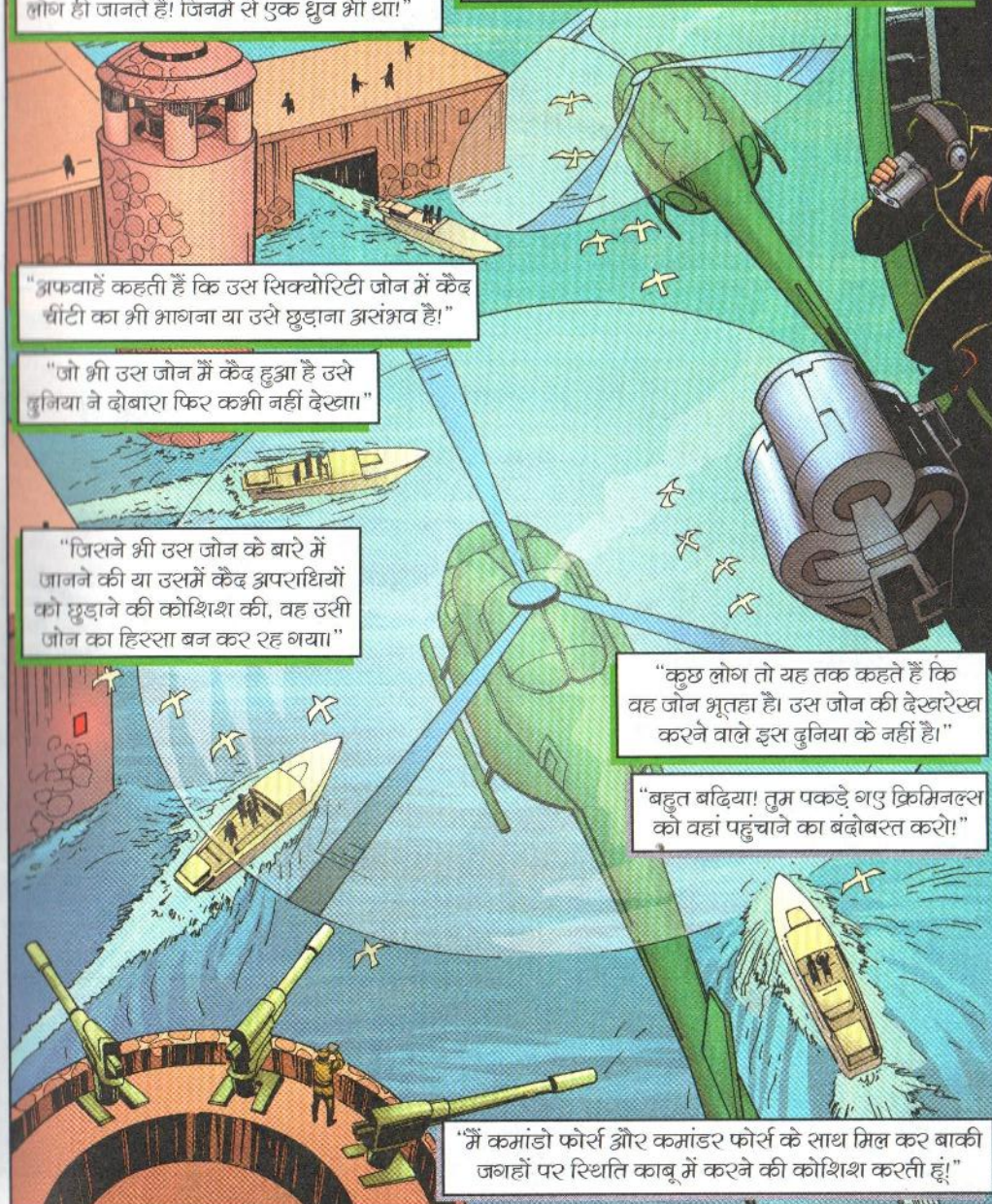
"अफवाहें कहती हैं कि उस सिक्योरिटी जोन में कैद चींटी का भी भागना या उसे छुड़ाना असंभव है!"

"जो भी उस जोन में कैद हुआ है उसे दुनिया ने दोबारा फिर कभी नहीं देखा।"

"जिसने भी उस जोन के बारे में जानने की या उसमें कैद अपराधियों को छुड़ाने की कोशिश की, वह उसी जोन का हिस्सा बन कर रह गया।"

"कुछ लोग तो यह तक कहते हैं कि वह जोन भूतहा है। उस जोन की देखरेख करने वाले इस दुनिया के नहीं हैं।"

"बहुत बढ़िया! तुम पकड़े गए क्रिमिनल्स को वहां पहुंचाने का बंदोबस्त करो!"

"मैं कमांडो फोर्स और कमांडर फोर्स के साथ मिल कर बाकी जगहों पर स्थिति काबू में करने की कोशिश करती हूं।"

ELSEWHERE.
अब तो इस राज से पर्दा उठा दो मास्टर एम कि आखिर यह सब तबाही मचा कर तुम हासिल क्या करना चाहते हो?
हाहाहाहा! सब्र नाम की चीज शायद तुममें है ही नहीं सुप्रीमो!

इतनी तबाही मचाने के पीछे मेरा मकसद उस जगह तक पहुंचना है जहां पर हमारे मतलब की चीज कैद है।

"कितनी ही कोशिशें की हैं मैंने उस जगह तक पहुंचने की। लेकिन मेरी हर कोशिश नाकाम हुई।"
"बेहिसाब पैसा और अपने अनगिनत आदमियों को उस जगह तक पहुंचने में बरबाद कर चुका था मैं।"

"लेकिन लाख कोशिशों के बाद भी उस जगह तक पहुंचना तो दूर उस जगह का पता तक नहीं लगा पाया मैं।"
"लेकिन असफलताओं से हताश हो कर हिम्मत हार जाना मास्टर एम की फितरत में नहीं है।"
"यही कारण है कि आज मैं अपने लक्ष्य से कुछ ही कदम की दूरी पर हूं।"
"योजना के मुताबिक ही नारका जेल के तबाह होने के बाद जेल से भागे कैदियों को पकड़ कर ले जाया जाएगा 'उस' जगह, जहां का नाम तक लोगों ने नहीं सुना।"

"अब उस जगह का पता लगाना मुश्किल नहीं है!"
"और एक बार जो उस जगह का पता चल गया!"

"तो जो हमें चाहिए!"

"उसे वहां से लाना..."

"...बच्चों का खेल होगा।"

MAXIMUM SECURITY ZONE. UNDISCLOSED CONTAINMENT FACILITY.
ओफ्फ! यह...अचानक से पेट में असहनीय दर्द क्यों होने लगा?
मेरा...मेरा पेट फूल...आह!!!
ईयााााााह!
ईयाा...
फचाक
तो यह है मैक्सिमम सिक्योरिटी जोन! जिसकी सुरक्षा भी खतरे में पड़ने वाली है।
SOMEWHERE IN RAJNAGAR.
राज कॉमिक्स
अभी तक 123 लोगों के खून से नहा चुकी है मेरी खड्ग!
तू 124वीं होगी लड़की!
यहां कई बार लोगों को नहाने के लिए पानी नसीब नहीं होता...
...और तुझे खड्ग को लोगों के खून से नहलाने का शौक है।
धाड़
इंसानी खून को तूने बहुत तुच्छ समझ लिया।
कड़ाक
लेकिन आज के बाद ना तेरी खड्ग नहाएगी...
...और ना ही तुझे जेल में नहाने के लिए पानी नसीब होगा। ओफ्फ
मुझे शौक नहीं, बल्कि मेरी खड्ग को आदत है खून से नहाने की। जब भी मन करता है अपना शिकार खुद ही ढूंढ लेती है यह!
जैसे अभी तुझे ढूंढ लिया इसने!
और इसी के साथ होता है 124 का आंकड़ा पूरा।
124 तो क्या...

...यह आंकड़ा 123.5 भी नहीं पहुंच पाएगा।

तड़ाक

अगर 124वां शिकार तू बनना चाहता है तो ऐसा ही सही।

मेरा ऐसा कोई इरादा नहीं है।

तुम भी अपना इरादा बदल दो!

सरेंडर कर दो।

युद्धवीर सरेंडर नहीं करता...

...दूसरों से सरेंडर करवाता है। अपनी खड्ग के सामने।

मेरी बात मान लेते तो कम से कम दांत तो बच जाते।
इन दांतों के बिना जेल में मिलने वाली रोटी खाने में तुम्हें बड़ी दिक्कत होगी।
आप ठीक तो हैं मिस!
क...कैसा बेहूदा सवाल है यह?
चोट लगने के बाद कोई घायल ठीक कैसे...
भ...भइ... ध्रुव!

MAXIMUM SECURITY ZONE. UNDISCLOSED CONTAINMENT FACILITY.

हम्म्म! मैक्सिमम सिक्योरिटी जोन! जिसका पता लगाते हुए कईयों का जीवन भी इसी जोन का हिस्सा बन कर रह गया।
लेकिन यह जगह अपने नाम के अनुरूप बिलकुल नहीं लग रही।
यहां पर 'उसका' होना मुमकिन नहीं लगता।
किस तरह का सिक्योरिटी जोन है यह?
सुरक्षा के नाम पर एक गार्ड तक नजर नहीं आ रहा।
इस जगह का नाम जीरो सिक्योरिटी जोन होना चाहिए था।
B LEVEL CONTAINMENT
Threat Level Minimal.
बी लेवल कन्टैनमेंट! नहीं! यह मेरी मंजिल नहीं है!
OMEGA LEVEL CONTAINMENT
ओमेगा लेवल कन्टैनमेंट! यहां हो सकती है मेरे मतलब की चीज।

OMYGOD! अपराध जगत में अपने नाम का लोहा मनवाने वाले खूंखारतम अपराधियों की यह गत!
चुम्बकीय शक्ति के बल पर किसी भी चीज को बस अपनी अंगुली के इशारे से नचाने वाला चुंबा सम्राट आज खुद एक इंच भी हिलने में अक्षम है।
ध्वनी तरंगों की विनाशकारी शक्ति द्वारा तबाही बरपा देने वाला प्रोफेसर काले उर्फ ध्वनीराज आज खुद अपनी आवाज इस कैप्सूल के बाहर पहुंचाने में असमर्थ है।
मामूली खिलौनों से भी खूनी खेल खेलने वाला बौना वामन आज खुद बेजुबान खिलौना बना हुआ है।
अवचेतन अवस्था में भी इनके दिलों-दिमाग में एक ही इच्छा कुलबुला रही होगी, यहां से आजाद होने की।
बेफिक्र रहो दोस्तों! तुम लोगों की इच्छा जल्द ही पूरी होने वाली है।

यह क्या?
अचानक से यह खाली कैप्सूल बाहर क्यों निकल आया!
बेफिक्र रहो...
...यह खाली कैप्सूल जल्द भरने वाला है।
NATIONAL ZOOLOGICAL PARK-RAJNAGAR.
ओह! तो तू भी जानवरों को काबू में करना जानता है।
बढ़िया! अब इस खेल में मजा आएगा, खूब मनोरंजन होगा मेरा भी और दर्शकों का भी।
सड़ाक
गर्र्र्र्र
गर्र्र्रा
असंभव! तू जरूर कोई सम्मोहन विद्या जानता है! तभी यह खूंखार शेर भीगी बिल्ली बने तेरे पैरों में पड़े हैं।
खैर! रिंग मास्टर का काम है...
...दर्शकों का मनोरंजन करना।
सड़ाक
हर हाल में।
सड़ाक
रिंग मास्टर के हंटर को रोकने की गुस्ताखी कोई नहीं करता।
धड़ाक
अपने मास्टर की हुक्मउदूली करने की सजा तो भुगतनी होगी तुम्हें!
गर्र्र्र्र

तू भी इन जानवरों की तरह हठी है।
लेकिन रिंग मास्टर का तो काम ही है हठी चीजों को काबू में करना।
अब भले ही वह जानवर हो ...
...या फिर कोई इंसान!
अब होगा दर्शकों का भरपूर मनोरंजन।
लेकिन... लेकिन दर्शकों की तालियों की आवाजें तो मुझे सुनाई ही नहीं दे रहीं।
ओह! समझ गया! दर्शकों को चाहिए रोमांच।

बिना रोमांच के दर्शक तालियां नहीं बजाते।
और हिंसा से बेहतर रोमांचकारी कोई चीज नहीं।
तू.. तुझ पर करंट का कोई असर नहीं हो रहा? असंभव।
न...नहीं मेरे पास मत आना प्यारे शेरों, अच्छे शेरों।
अरे! कोई पकड़ कर इन्हें पिंजरे में बंद करो।

तुझे मनोरंजन करने और करवाने का बड़ा शौक है ना रिंग मास्टर।
गर्रगर्र रां!
अब हम लोग तेरा ऐसा मनोरंजन करेंगे कि जिंदगी भर नहीं भूलेगा।
मुझे उसकी हरकतों से ध्रुव की याद आ गई।
हां! जानवरों की भाषा में बात कर उन्हें समझाना।
जबरदस्त इच्छा शक्ति से भीषण से भीषण दर्द को भी सह लेना।
ऐसी खूबियां सिर्फ ध्रुव में ही थीं।
लेकिन...
"...हमारा ध्रुव अब दुनिया में नहीं है। तो आखिर कौन था यह?"
हे भगवान! कौन है यह?
क्या है यह? मेरा भ्रम है या मैं जिसे देख रही हूं वह वाकई ध्रुव है।
या लगातार लड़ते रहने से दिमाग इतना अस्थिर हो गया है की सामने मुझे भैया नजर आ रहा है।
सोच क्या रही है श्वेता, यह भैया ही है।
हां! भैया ही तो है।
नहीं! रुक, पूछ इससे।
ध... ध्रुव!
नहीं! तुम ध्रुव नहीं हो सकते।
कौन हो तुम?
मैं ध्रुव हूं, या नहीं यह तो मैं भी नहीं जानता!
लेकिन फिलहाल तुम मुझे क...
चंडिका!
चंडिका! तुम ठीक तो हो?
काफी देर से तुमसे संपर्क...
...करने...की... को...शि...श...
ध्रुव!
मैं जानती थी ध्रुव! मैं जानती थी, सभी मुझसे झूठ बोल रहे हैं।
मैं जानती थी तुम जिंदा हो, मेरी सांसें इस बात का सुबूत थीं कि तुम जिंदा हो।
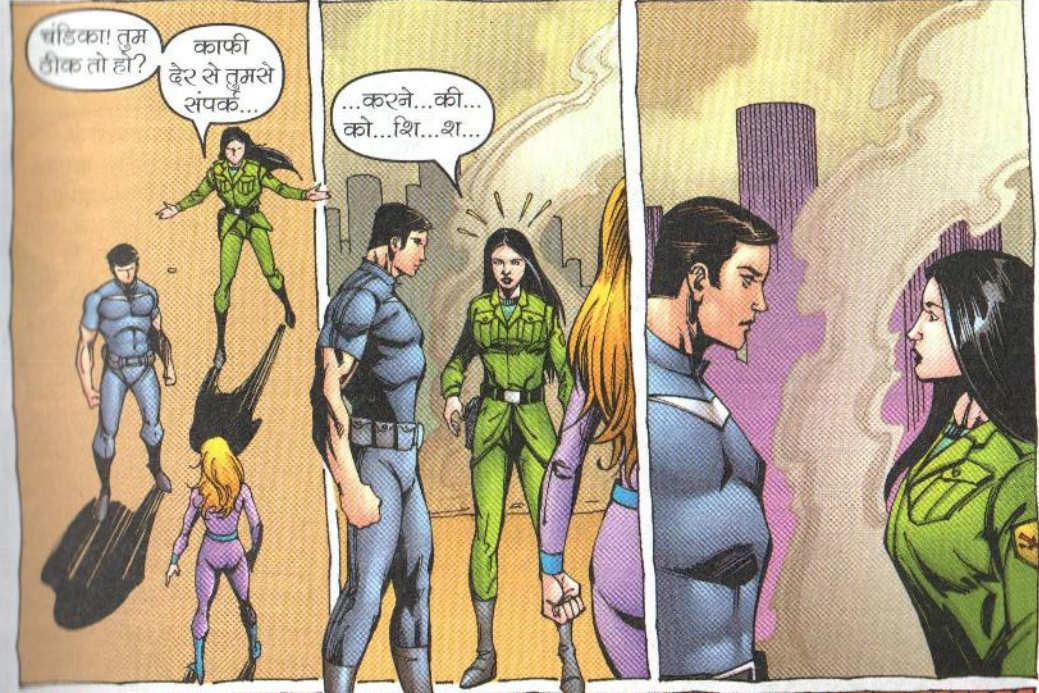
हम सभी को अकेला छोड़ कर कहां चले गए थे तुम?
हम लोगों के बारे में एक बार भी नहीं सोचा कि कैसे रह पाएंगे हम लोग तुम्हारे बिना...
अपनी भावनाओं पर काबू करो, नताशा!
...भावनाओं में बह कर इंसान अक्सर ऐसी गलती कर जाता है, जिसका मलाल उसे सारी जिंदगी रहता है।

इसे ध्रुव समझ कर कहीं तुम वैसी ही गलती तो नहीं कर रहीं?
ब्लैक कैट!
तुम कहना क्या चाहती हो, ब्लैक कैट?

इनसे मिलो, यह हैं यूरोपियन प्राइवेट स्पाई एजेंसी 'फीनिक्स' के एलिट कमांडोज।
यह हैं मिस मिशा!
और जिन्हें अभी तुमने ध्रुव समझ कर गले लगाया था...

...उनका नाम है कॉमेट!
अह!.. हाई!
तुम्हारी बात पर यकीन करने का कोई सटीक कारण अगर अगले दस सेकंड में तुम्हारी जबान से नहीं निकला...

...तो तुम्हारी जान तुम्हारे शरीर से निकल जाएगी। इतने बड़े ब्रेकआउट में एक वॉन्टेड क्रिमिनल की लाश मिलने पर कोई सवाल वैसे भी नहीं उठाएगा।
मैंने वही कहा जो सच्चाई है।
और क्रिमिनल घोषित होने और वाकई क्रिमिनल होने में क्या फर्क होता है यह बात तुमसे बेहतर कौन जानता होगा, मिस नताशा रोबर्ट शीन!
YOU...
WOA!
नताशा!
ब्लैम
यह बात आज तक मेरी समझ में नहीं आ पाई है कि...
...तुम जैसी सिरफिरी लड़की के हाथों में इस शहर की सुरक्षा व्यवस्था की कमान कैसे सौंप दी गई?
क्योंकि उन्हें पता था कि तुम जैसे अपराधियों को रास्ते पर लाने के लिए मेरा यही सिरफिरापन काम में आएगा।
ब्लैम
ब्लैम ब्लैम
एक बार और मुझे अपराधी कह कर पुकारो...

...फिर देखो कि तुमसे भी बड़ा सिरफिरा कोई है इस दुनिया में।
मैं उसे देखने को बेताब हो रही हूं!
हफ्फ!!!
तुम उसे पहली और आखिरी बार देख पाओगी।
रुक जाओ ब्लैक कैट!
नताशा! बिहेव! यह समय बेवजह लड़ने का नहीं है!
ब्लैक कैट! तुम भी संभालो खुद को।
बिना बात एक दूसरे की खून की प्यासी हो रही हो तुम दोनों।
शांत हो जाओ ब्लैक कैट!
इस लड़ाई से किसी को कुछ हासिल नहीं होगा।
झगड़े की शुरुआत इसने की थी। लेकिन खत्म
देखिए मिस नताशा!
आप मुझे ध्रुव समझ रहीं हैं लेकिन संभव है कि मैं ध्रुव नहीं हूं।
शायद सिर्फ मेरी सूरत ही ध्रुव से मिलती हो।
मैं आपको नहीं जानता। पर हमारी कुछ क्षणों की मुलाकात में मैं इतना जान गया हूं कि ध्रुव आपको बहुत अजीज था।
शायद खुद से भी ज्यादा चाहती थीं आप उसे।
लेकिन शायद ब्लैक कैट ने जो कहा वह सही हो।
मुझे देखते ही ध्रुव को जानने वाले हर शख्स के मुंह से सिर्फ एक ही नाम निकलता है।
ध्रुव!
लेकिन मैं ध्रुव हूं या नहीं मैं खुद नहीं जानता। यहां तक कि मैं यह भी नहीं जानता कि वास्तव में कौन हूं मैं!
मेरी शक्ल ध्रुव से क्यों मिलती है? इन्हीं सवालों के जवाब पाने के लिए मैं यूरोप से इंडिया आया हूं!
इसमें ब्लैक कैट पर शक करने जैसी कोई बात नहीं है! उसने वही कहा जो
तुम्हारी बातों पर यकीन ना करने की वैसे तो मेरे पास कई वजहें हैं लेकिन ऐसा कैसे हो सकता है कि तुम खुद अपने बारे में नहीं जानते कि तुम कौन हो?
तुम्हारी इस बात का जवाब मैं तुम्हें देती हूं!
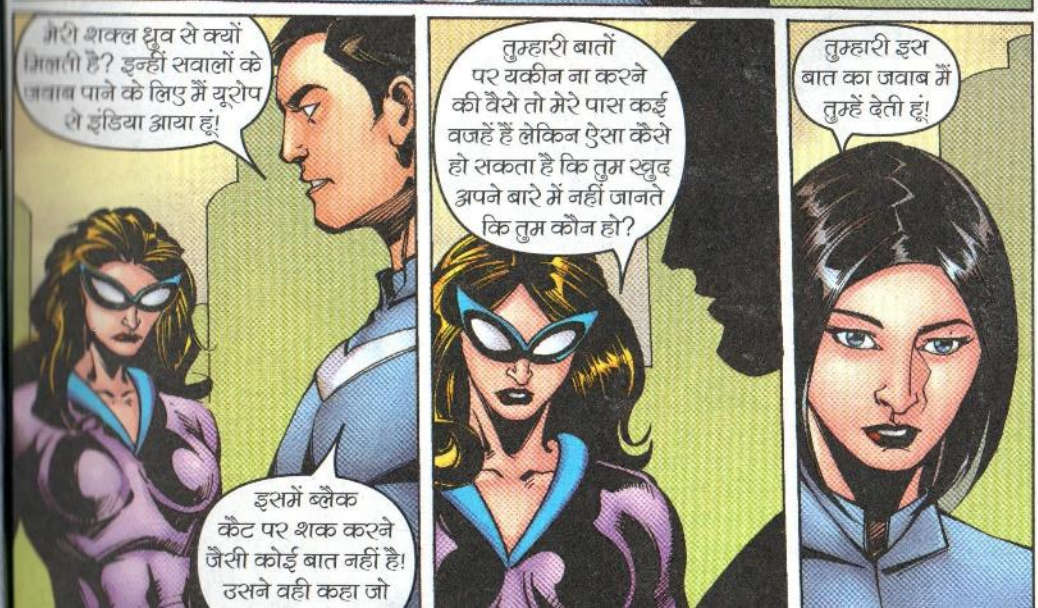
MAXIMUM SECURITY ZONE. UNDISCLOSED CONTAINMENT FACILITY.
यह खाली कैप्सूल जल्द ही भरने वाला है। जानना चाहोगे कैसे?
कौन हो तुम?
तुम्हारे लिए यह जानना इतना जरूरी नहीं है कि मैं कौन हूं।
लेकिन मैं यहां क्यों आया हूं, यह जानने में तुम्हारी दिलचस्पी जरूर होनी चाहिए।
खैर! तुमने पूछा नहीं, तो मैं खुद ही बता देता हूं।
यह खाली कैप्सूल जल्द ही भरने वाला है।
और इस कैप्सूल को भरने वाले होगे तुम।
इसी के साथ एक सवाल और उठ खड़ा होता है।
इस कैप्सूल में तुम खुद चलकर जाओगे या मुझे तुम्हारी मदद करनी होगी?
मदद की जरूरत अब तुझे पड़ने वाली है स्वर्ण मानव!

अच्छा है तुमने कोशिश करके देख ली, तुम्हें इतना तो पता चल ही गया कि तुम्हारी शक्तियां मुझ पर बेअसर होंगी!
लेकिन मैं यदि चाहूं, तो...
...अपनी शीत किरणों से एक पल के सौवें हिस्से को पूरा होने से पहले ही तुम्हें जमा दूं!
या फिर भीषण ताप से तुम्हारे शरीर को पल भर में वाष्पीकृत कर दूं!
या फिर विखंडन किरणों से तुम्हारे शरीर के अणुओं को विखंडित कर दूं कि तुम अपना स्वरूप कायम ही ना रख पाओ!
लेकिन ऐसा करने से तुम्हें जीवित अवस्था में कैद करना संभव नहीं होगा।
जबकि मेरा उद्देश्य सिर्फ तुम्हें बंदी बनाना है जान से मारना नहीं।
इस स्वर्णपाश से छूटने की कोशिश मत करना...
जितना इससे छूटने की कोशिश करोगे उतनी ही इसकी पकड़ और मजबूत होती जाएगी।
तुम्हारी कोई भी शक्ति इस स्वर्णपाश के आगे बेकार है!
यह जो भी है इसके यहां तक पहुंचने का मतलब है कि कारागार की सुरक्षा व्यवस्था में कहीं कोई त्रुटि रह गई है।
कोई सुराख है जिसे और बढ़ाता हुआ यह यहां तक अंदर आ गया।
इसका यहां पहुंचना इस कारागार और यहां बंद अपराधियों की सुरक्षा दृष्टि से बेहद खतरनाक है।
मतलब मुझे यहां कैद सभी अपराधियों को कहीं और स्थानांतरित करना होगा।
किसी को कहीं स्थानांतरित करने की जरूरत नहीं है।

अगर यहां से कुछ स्थानांतरित होगा तो वह होगी तेरी आत्मा। तेरे शरीर से यमराज के पास।
तूने एक्वो की शक्ति को बहुत कम आंक लिया था स्वर्णमानव।
अनेक रूप हैं एक्वो के।
अपने से अलग छोटी से छोटी बूंद से भी फिर आकार ले सकता हूं मैं।
अपनी शक्तियों का बहुत बखान कर रहा था तू।
शीत से जमाना, विखंडित कर देना।
एक्वो की इस शक्ति के बारे में तेरा क्या विचार है?
मुझे जीवित अवस्था में बंदी बनाने का उद्देश्य ले कर आया था तू।
किसी की जान लेना शायद तेरे उसूलों के खिलाफ है।
लेकिन एक्वो का एक ही उसूल है अपने रास्ते में आए कांटे को...
...जड़ से उखाड़ फेंकना!
आश्चर्य! मेरे इस अतिघातक वार से भी बच गया तू!
तू कोई मामूली इंसान नहीं हो सकता और ना ही मामूली हो सकता है तेरा यह कवच!
लेकिन मुझे तेरी बढ़ाई करने में अपना समय व्यर्थ नहीं करना!
मुझे मेरी मंजिल तक पहुंचना है जल्द से जल्द!
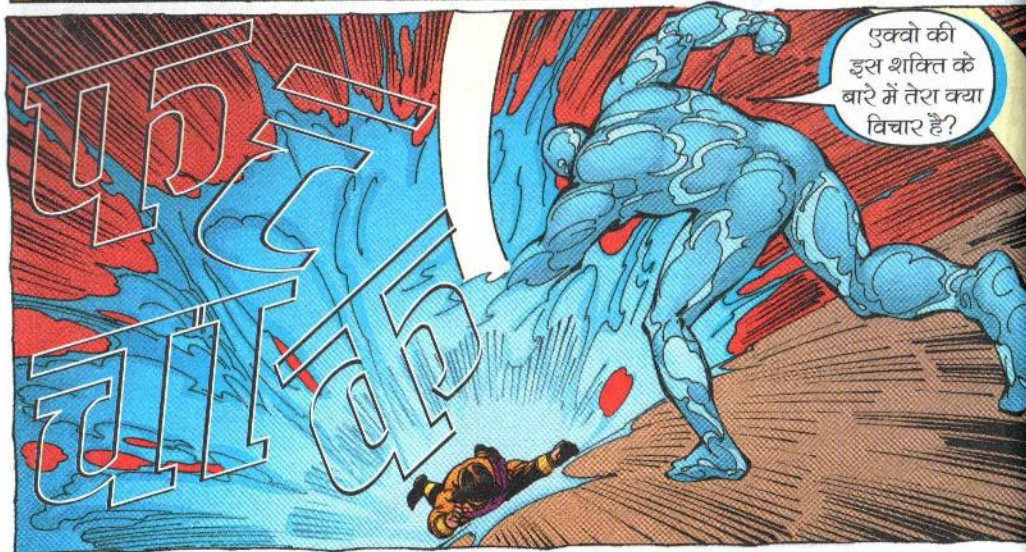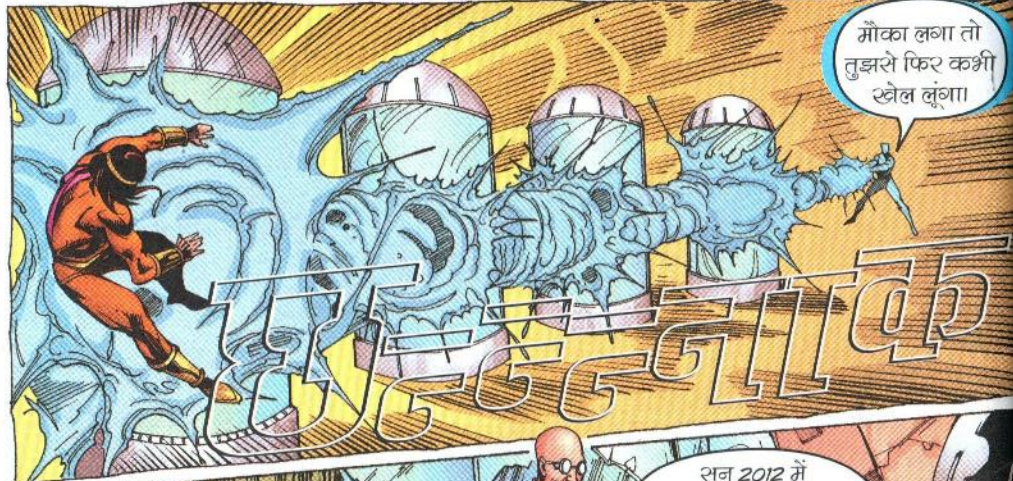
मौका लगा तो तुझसे फिर कभी खेल लूंगा।
घड़घड़नाक
आह! ऐसा लग रहा है जैसे हजारों सालों की नींद ले कर जागा हूं।
सन् 2012 में तो दुनिया खत्म होनी थी और हम सभी अभी जिंदा हैं मतलब अभी भी हम 2012 में ही हैं।
तुम्हारे मुंह से ऐसी अंधविश्वास की बातें शोभा नहीं देतीं, वायरस!
डेट को मारो गोली, हम आजाद हैं इससे बड़ी खुशी की बात क्या होगी!
आप लोगों के हिसाब से यह कौन सा साल होगा?
लेकिन हमें आजाद किया किसने और यह घायल व्यक्ति कौन है?
चारों ओर इतना पानी कैसे फैला हुआ है...
"ऐसा लग रहा है जैसे यहां से कोई सैलाब गुजरा हो!"
शायद यही है मेरी मंजिल। इसी के लिए हो रहा था यह सारा हंगामा।
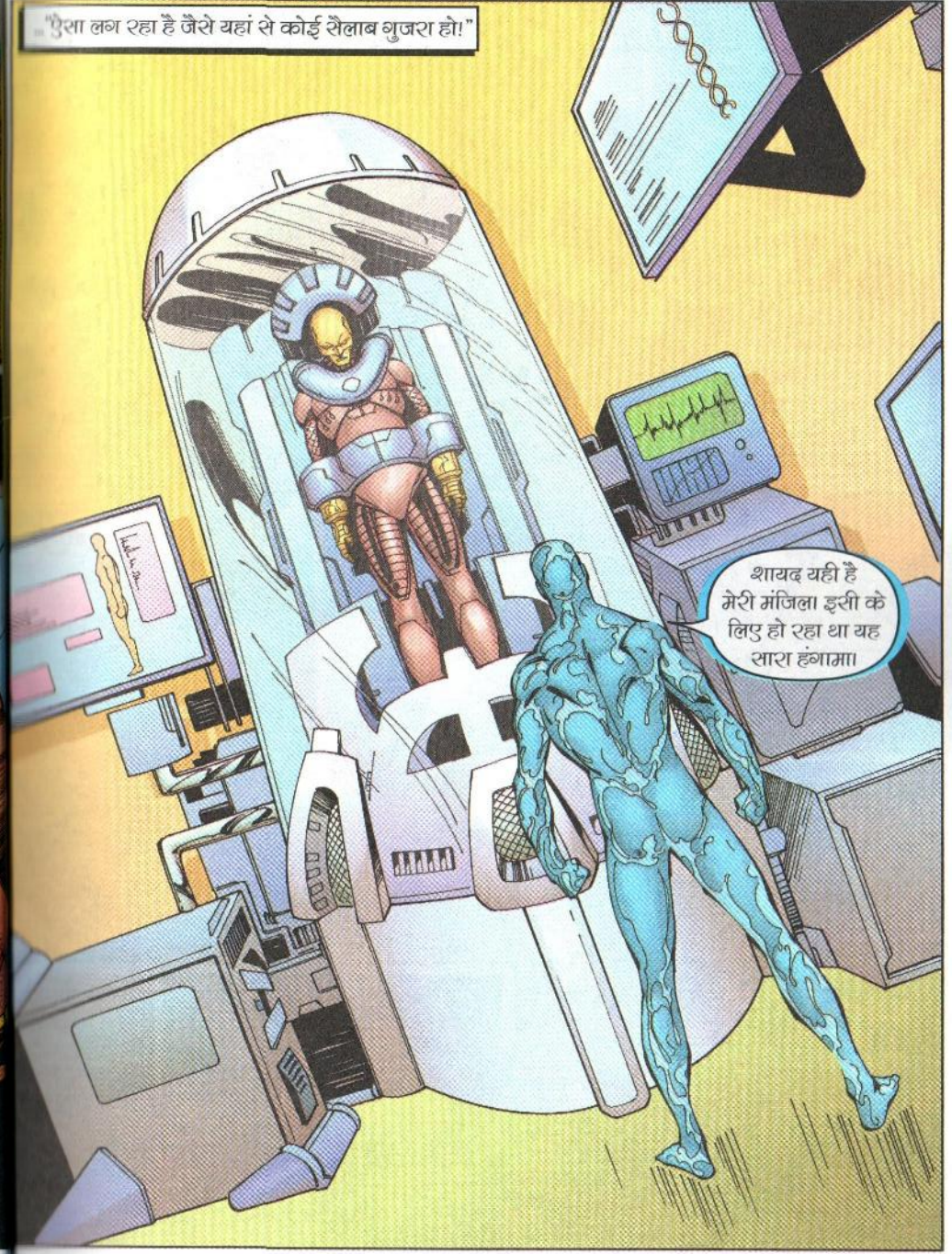
DIAMOND ENCLAVE, RAJNAGAR.
बचाओ! बचाओ!
हे भगवान! इतनी भीषण आग।
उपरी मंजिलों में सैकड़ों लोग फंसे हुए हैं।
लेकिन जब तक निचली मंजिलों की आग बुझाई नहीं जाती ऊपर जा कर किसी को भी बचाना मुमकिन नहीं है।
मैंने तो पहले ही कहा था कि यहां बचाव कार्य के लिए सेना का हेलिकॉप्टर मंगवाना चाहिए था, ऊपर से लोगों को सुरक्षित बचाया जा सकता था।
वह भी आ जाएगा लेकिन तब तक हमें अपना काम तो करना ही होगा।
आह!!!
फायरबॉल द्वारा लगाई गई आग दो ही स्थितियों में बुझ सकती है।
या तो फायरबाल की मर्जी से या फिर अपने आप! सब कुछ तबाह करके।
कड़ाक
फायर बाल ने इस बिल्डिंग में आग इसलिए नहीं लगाई कि तुम लोग इसे आ कर बुझा दो।
उसका बचना मुश्किल है।

आ...
तुम... तुम जो भी हो तुम्हारा बहुत-बहुत धन्यवाद।
इसे साक्षात मौत के मुंह में से खींच कर लाए हो तुम।
उसे तो बचा लिया! लेकिन तुझे कौन बचाएगा?
दुनिया में भलाई करने वाले कीड़ों की कमी नहीं है।
तू भी उन्हीं में से एक है।
पहले मैं भी ऐसा ही हुआ करता था।
लेकिन मेरी भलाई का सिला मुझे मेरे ही घर को आग के हवाले करने के रूप में मिला।
तभी से मैंने ठान लिया कि भलाई करने वालों की दुनिया में आग लगा दूंगा।
और सबसे बड़ा भलाई का काम तूने अभी-अभी किया है।
इसलिए तुझे मरना होगा!
आउ! आऊ! ओफ्फ!
MY GOD! बाल-बाल बचा!

ऊप्स!
हाह! पकड़ लिया!
ओ ओह!
धड़ाक
अब यह किसी
लिए मुसीबत खड़ी
नहीं कर पाएगा।
मेरी बच्ची!
कोई बचा लो मेरी बच्ची को! कोई तो बचाओ! वह बारहवीं मंजिल पर फंसी है।
शांत हो जाइए मिसेज शर्मा!
कुछ नहीं होगा आपकी बच्ची को।
दमकल विभाग वाले उसे सुरक्षित निकाल लेंगे!
यह तो समस्या हो गई! लिफ्ट क्षतिग्रस्त हो गई है ज्यादा ऊपर नहीं जा सकती।
ऊपर फंसे लोगों को तब-तक नहीं बचाया जा सकता जब-तक नीचे की आग ना बुझा ली जाए।
लेकिन उसमें तो काफी देर लग सकती है और ऊपर भी आग बड़ी तेजी से फैल रही है देर सवेर ऊपर फंसे लोगों तक आग पहुंच ही जाएगी।
ए! ए! पागल हो गए हो क्या?
लिफ्ट टूट चुकी है मरना है क्या?
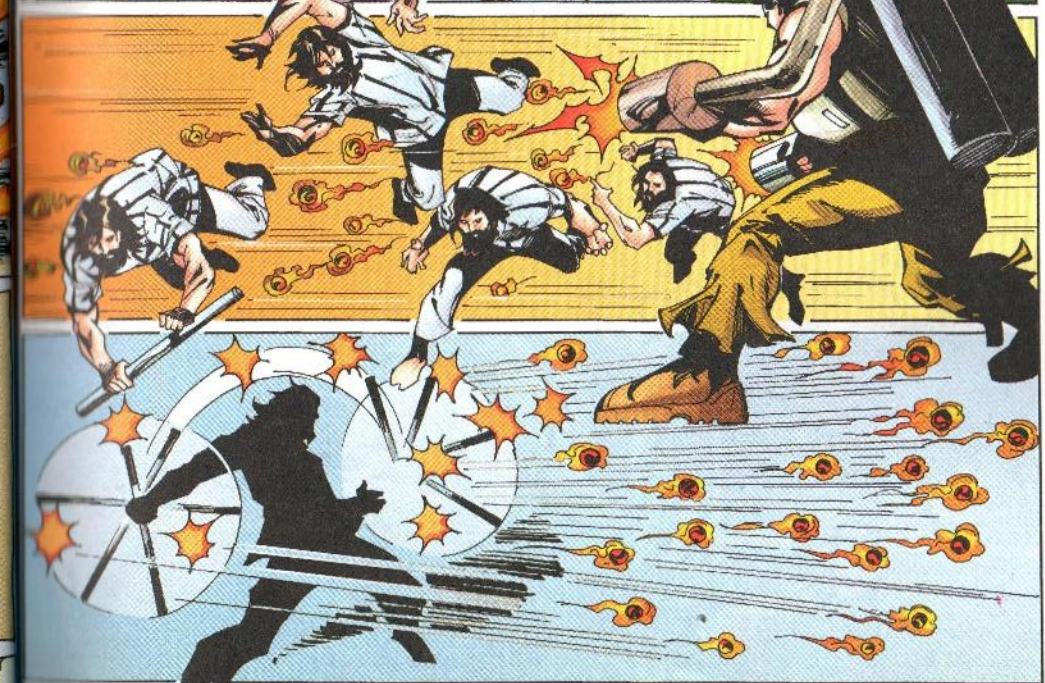
लगता है इसे आत्महत्या करने का शौक चढ़ रहा है! मरेगा।
दूसरों को बचाने के चक्कर में खुद की जान से भी जाएगा।
अगर वह ऊपर पहुंच भी गया...
...तो उसका इमारत के अंदर पहुंचना...
लिफ्ट केवल आठ मंजिल ऊंची रह गई है और इमारत से कम से कम छः फुट दूरी पर रहेगी।
नामुमकिन है!

बचाओ!
नहीं!!!!

याााााााााााााह!
हम्फ-हम्फ!
क...क्या था यह सब?
क्या... क्या हो रहा है यह सब?
कहां हूं मैं? क्या कर रहा हूं यहां?
ओफ्फ! दिमाग भारी हो रहा है मानों कुछ क्षणों पहले ही होश में आया हूं। लेकिन...
मम्मी!
मम्मी... पापा!
घबराओ नहीं बच्चे! सब ठीक है हम सुरक्षित यहां से निकल जाएंगे।
लेकिन कैसे?
बाहर जाने के रास्ते को आग ने अपनी चपेट में ले लिया है और कुछ ही क्षणों में आग इस कमरे को भी निगल जाएगी।
इस बच्ची के साथ यहां से कैसे निकल पाऊंगा मैं?

बचने का एक मात्र रास्ता इस खिड़की से कूदना है।

लेकिन! किसी रस्सी या स्टार लाइन के बिना यहां से निकलना संभव नहीं है।

देखो वह ऊपर पहुंच गया उसके साथ में बच्ची भी है।

दिया! मेरी बच्ची!

"ऊपर पहुंच गया लेकिन वहां से आएगा कैसे? इतनी ऊंचाई से छलांग लगाएगा तो बचना नामुमकिन है।"

कोई और रास्ता नजर नहीं आ रहा। ऐसे में खिड़की के यह पर्दे शायद हमें यहां से निकालने में कारगर सिद्ध हों।

देखो! लगता है वह पगला गया है। बच्ची को ले कर नीचे कूदने का इरादा है उसका!

ट्रेम्पोलिन लेकर आओ! जल्दी!

अपनी आंखें बंद कर लो बच्चे, खोलना नहीं।

गलती से खुल भी गईं तो घबराना नहीं...
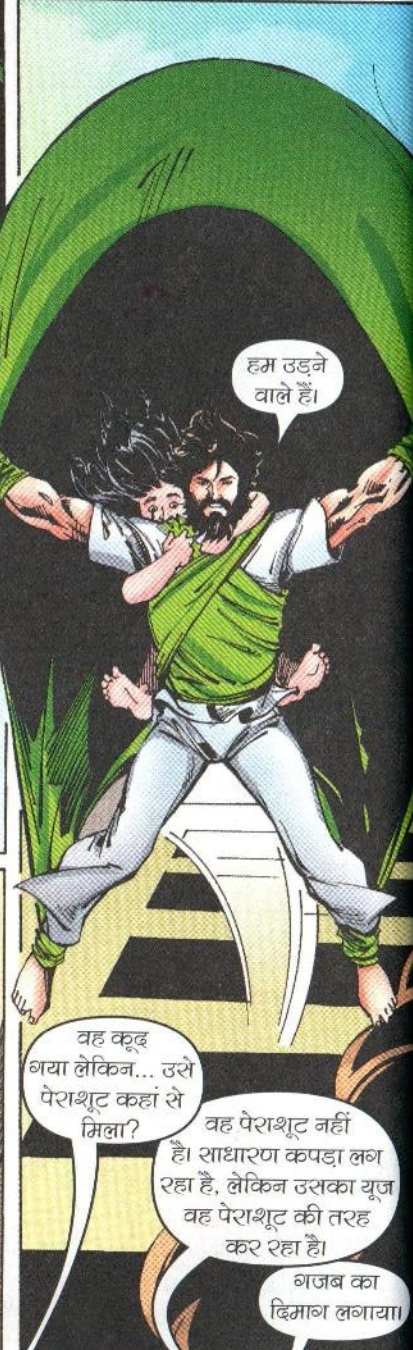
हम उड़ने वाले हैं।

वह कूद गया लेकिन... उसे पेराशूट कहां से मिला?

वह पेराशूट नहीं है। साधारण कपड़ा लग रहा है, लेकिन उसका यूज वह पेराशूट की तरह कर रहा है।

गजब का दिमाग लगाया।

उसे झेलने के लिए तैयार रहो।

धन्यवाद मिस्टर!

आप नहीं होते तो शायद इस बच्ची को बचाना मुमकिन ना होता।

फायरबॉल के रहते भी आग पर काबू पाना नामुमकिन था लेकिन अब हम अपना काम आसानी से कर सकेंगे। एक बार और धन्यवाद!

इसमें धन्यवाद जैसी कोई बात नहीं है ऑफिसर! यह मेरा फर्ज था।

लेकिन शहर में यह सब हो क्या रहा है और...

आह!!!
ह्रीं!!!!!!
ओफ्फ! यह क्या... यह आवाज... ऐसा लग रहा है जैसे सिर फट जाएगा... कैसी है यह आवाज...

ओह नहीं!

SWARNA NAGARI. Months Ag
वैसे तो मैक्सिमम सिक्योरिटी जोन की सुरक्षा व्यवस्था को बेध पाना असंभव है।
लेकिन फिर भी किसी भी गड़बड़ी से आगाह करने के लिए एक अलर्ट सिस्टम हमने प्रिजन के हर सेल में लगा रखा है।

उस अलर्ट सिस्टम का कनेक्शन इस चिप से भी है जो हम ऑपरेशन द्वारा सीधे तुम्हारे मस्तिष्क में प्रत्यारोपित करेंगे।
प्रिजन में हुई किसी भी गड़बड़ी के प्रति यह तुम्हारे मस्तिष्क में सायरन बजा कर तुम्हें तुरंत अलर्ट करेगा।
इसे तुम अपनी सोच से नियंत्रि कर सकोगे।

इस...इसका मतलब...
मैक्सिमम सिक्योरिटी जोन में सिक्योरिटी ब्रीच!

अरे भाई कहां भागे जा रहे हो... सुनो तो, अपना नाम तो बताते जाओ।
वीरता पुरस्कार दिलवाने के लिए मैं तुम्हारी सिफारिश करूंगा।

चला गया। सच है, कुछ लोग बिना किसी लालच के स्वेच्छा से दूसरों को बचाने में अपनी जान तक की बाजी लगा देते हैं। कुछ ऐसा ही था हमारा ध्रुव भी।
CENTRAL RAJNAGAR.
हम्म! कहानी दिलचस्प है।
लेकिन फिलहाल किसी भी नतीजे पर पहुंचना जल्दबाजी ही होगी।
हमें मौजूदा हालातों को पहले काबू करना होगा।

और तुम दोनों अपनी इस लड़ाई को बाद के लिए बचा कर रखो!
और गुस्सा निकालना ही है तो खुले घूम रहे उन क्रिमिनल्स पर निकाल देना।

मिस मिशा और कॉमेट! अब जबकि आप लोग यहां की स्थिति से भली भांति अवगत हो ही गए हो तो आप लोगों से मदद के लिए रिक्वेस्ट करना मूर्खता होगी!
और आप लोगों को क्या करना है यह बताना आप लोगों का अपमान करने जैसा होगा, तो मैं बस इतना ही कहना चाहूंगी कि...
WHOA! स्पीड के दीवाने इस ब्रेकआउट में भी स्टंटबाजी से बाज नहीं आ रहे।
मुझे लगता है यह स्पीड का दीवाना भी उन आजाद घूम रहे कैदियों में से एक है।
बढ़िया है!
मुझे तो मेरा असाइनमेंट मिल गया।
तुम लोग अपना ढूंढ लो।
लानत है तुझ पर, श्वेता!
तू गैजेट एक्सपर्ट है, पर यहां तुझे छोड़ कर हर कोई हाईटेक गैजेट्स इस्तेमाल कर रहा है।
श्वेता का नाम इस तरह खुलेआम लेने से चंडिका का अस्तित्व खतरे में पड़ सकता है।
हुंह! तुमने तो मुझे डरा दिया!
कम से कम तुम तो मुझे इस तरह से हैरान मत किया करो।
तुम्हारी हैरानी उस हैरानी के सामने कुछ भी नहीं है चंडिका, जो कॉमेट को देख कर मुझे हुई है।
लेकिन मेरा मन अभी भी इस बात को मानने से इनकार कर रहा है कि जिसे अभी हमने देखा वह ध्रुव नहीं है।
मेरी हालत तुमसे अलग नहीं है, नताशा!
लेकिन...
"भावनाओं में बह कर उसे ध्रुव मानना शायद जल्दबाजी हो।"
"और फिर तुम्हीं ने तो बताया था कि ध्रुव ने तुम्हारी बाहों में ही दम तोड़ा था।"
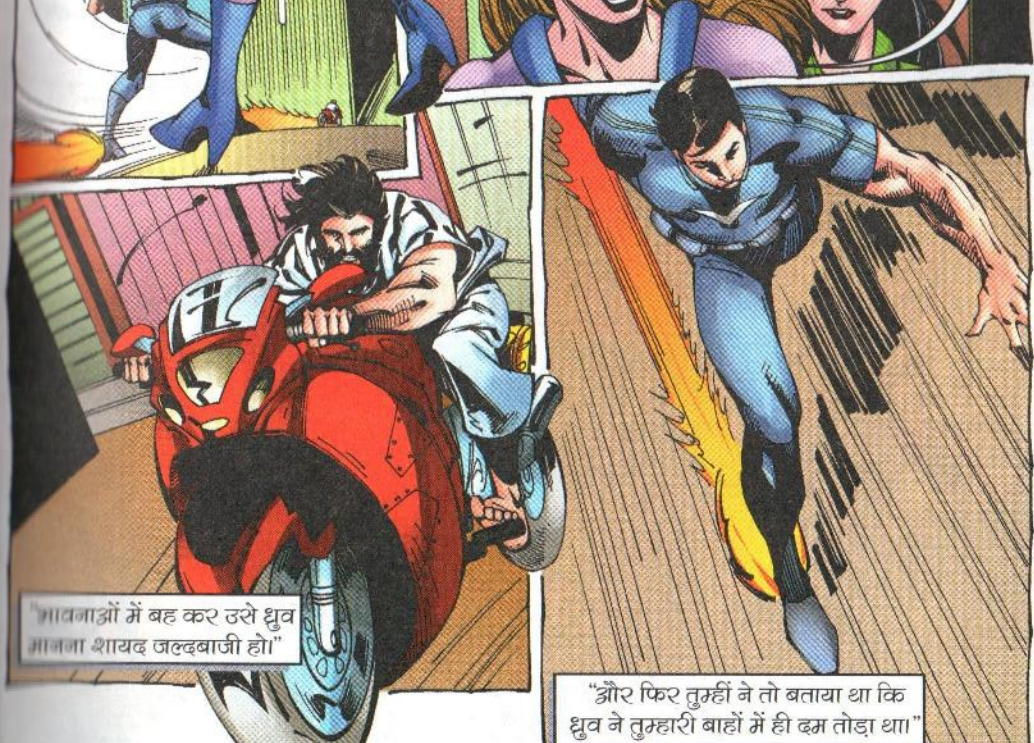
MAXIMUM SECURITY ZONE. UNDISCLOSED CONTAINMENT FACILITY.
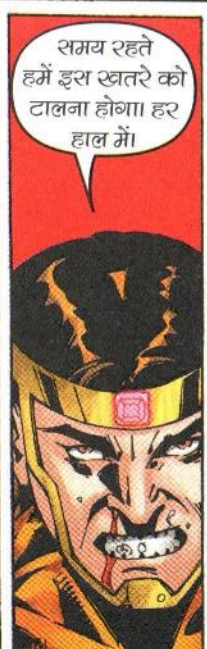
...यूरोप के विभिन्न शहरों में सार्वजनिक स्थानों पर हुए बॉम्ब ब्लास्ट्स की छानबीन के लिए एक सीक्रेट मिशन पर हम इण्डिया आए हुए थे।

"हमें मिली जानकारी के मुताबिक उस हमले का मास्टरमाइंड भारत में छिपा हुआ था।"

"यहां से जाते वक्त हमारे जेट के इंजन में गड़बड़ी के चलते हमें जेट की इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी।"

"हम सभी जेट की गड़बड़ी के ठीक होने का इंतजार कर रहे थे कि तभी मैंने पास ही नदी में एक बॉडी को बह कर आते देखा।"

"वह कॉमेट था! बुरी तरह घायल। उस समय अगर उसका इलाज ना किया गया होता तो शायद वह बच ना पाता।"

"किस्मत से हमारी टीम के साथ एक डॉक्टर भी था।"
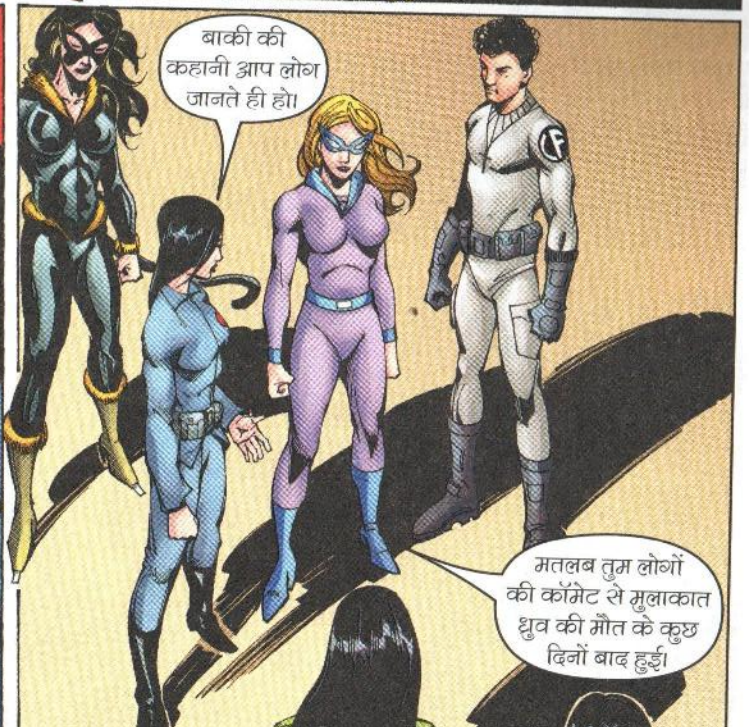
कहानी उलझी हुई है। सारे सिरे खुले होते हुए भी एक भी सिरा हाथ में आता नजर नहीं आ रहा।
खैर! अभी शहर में बिन बुलाए मेहमानों, मतलब कैदियों की आवभगत करके फ्री हो लें...
"कोडनेम कॉमेट नाम की इस गुत्थी को हम बाद में सुलझा लेंगे।"
यह शहर में हो क्या रहा है कहीं गलियां सुनसान तो कहीं अपराधियों द्वारा वारदातें की जा रही हैं।
यह शुरू कैसे हुआ और मैं कहां था इतने समय कुछ भी याद क्यों नहीं मुझे?
कहीं इस सब का मैक्सिमम सिक्योरिटी जोन की सिक्योरिटी ब्रीच से कोई सम्बंध तो नहीं?
स्वर्णनगरी के सुरक्षा इन्तजामों के बावजूद वहां की सुरक्षा को बेध पाने में सफल कैसे हो गया कोई?
यह क्या?
अब यह क्या नया तमाशा? यह तो बिलकुल मेरी तरह दिखता है। कौन है यह?
एक्स! कहीं यह एक्स तो नहीं? नए रूप में।
कौन हो तुम?
मैं कौन हूं यह जानना जरूरी नहीं।
यह तो मुझसे ऐसे बात कर रहा है जैसे मैं कोई अपराधी हूं और यह कानून का रखवाला।
जरूरी यह है कि तुम अपने आप को कानून के हवाले कर दो।
लेकिन अभी मेरा मैक्सिमम सिक्योरिटी जोन पहुंचना ज्यादा जरूरी है! मुझे इससे पीछा छुड़ाना होगा।
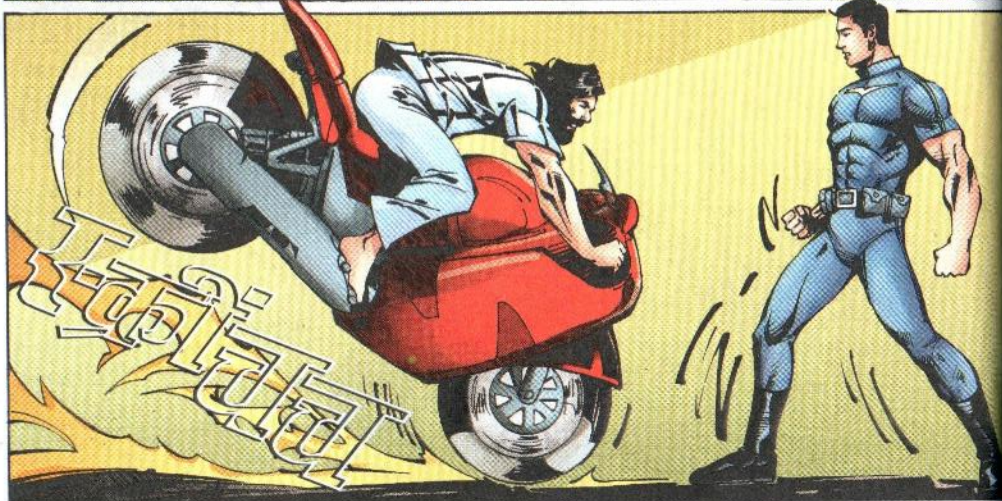
ठीक है। अगर तुम इसे मुश्किल बनाना चाहते हो तो ऐसा ही सही।
धड़ाक
मुझे पहले ही समझ जाना चाहिए था इसके होते मेरा मैक्सिमम सिक्योरिटी जो
तक जल्द पहुंचना संभव नहीं हो पाएगा।
ठीक है।
मिशा! नताशा से कहो एक पिकअप वैन यहां भेजे, उस स्पीडस्टर को मैंने पकड़ लिया है।
लेकिन पहुंचना तो मुझे है...
हर हाल मे
मुझे नहीं पता तुम कौन हो और मेरे पीछे इस तरह क्यों पड़े हो। लेकिन मेरा इस वक्त कहीं पहुंचना बहुत जरूरी है।
ओफ्फ!
धड़
बेहतर होगा मेरा रास्ता छोड़ दो।
पुलिस अपराधियों के पीछे क्यों होती है यह तो तुम्हें भी पता होगा।
और इस वक्त तुम्हारा एक ही जगह पहुंचना सबसे ज्यादा जरूरी है।
तड़
वह जगह है जेल!
धाड़
मैं तुमसे उलझना नहीं चाहता। लेकिन तुम्हें यह समझाना बेहद जरूरी है कि ना तो मैं कोई अपराधी हूं और ना

बेशक, मैं पुलिस न सही, लेकिन तुम्हारा कैदियों जैसा हुलिया साफ जाहिर करता है कि तुम एक अपराधी हो।
जरूरी नहीं कि जो दिखाई दे रहा है वह हमेशा सच ही हो।
झूठ को सच बना कर पेश किया जाए तब भी आंखें धोखा खा जाती हैं...
Mans Salo
धाड़
कई बार आंखें भी धोखा खा जाती हैं।
लेकिन आखिर में सच झूठ पर हावी हो ही जाता है।
तुम्हारी इस बात से मैं भी सहमत हूं।
सच झूठ पर हावी हो ही जाता है।
यह...यह क्या हुलिया हो गया है मेरा।
हुई दाढ़ी,
बाल।
महीनों से हेयर कट या शेव नहीं करवाई है।
और यह कैदियों की पोशाक!
तो क्या इतने दिनों जेल में
माशा अल्लाह! चांद सी सूरत पाई है जनाब ने।
धाड़

इस चांद सी सूरत को किसी की नजर ना लगे।
वैसे तुम्हें बता दूं मेरी नजर बड़ी बुरी है। झट से लग जाती है।
तुम ठीक तो हो कॉमेट?
हां! मैं ठीक हूं!
चंडिका! नताशा!
ओह ग्रेट! तुम हमें जानते हो।
खैर! नई बात नहीं है। राजनगर का हर अपराधी चंडिका को जानता है।
बेशक मैं तुम्हें जानता हूं। क्या तुम भी मुझे पहचान नहीं पा रही हो चंडिका?
तुम भी मुझे अपराधी समझ रही हो?
नताशा तुम तो पहचान पा रही हो ना मुझे?
यह मैं हूं। ध्रुव!
ध्रुव!
ध्रुव!
ध्रुव!
इसकी आवाज बिलकुल ध्रुव की तरह है।
लेकिन ध्रुव तो...
नहीं! यह ध्रुव नहीं हो सकता।
लेकिन यह खुद को ध्रुव क्यों कह रहा है?
पहले ध्रुव के मरने की खबर, फिर ध्रुव के जैसा दिखने वाला यह शख्स कॉमेट और अब अपने आप को ध्रुव कहने वाला यह कैदी।
उफ! मैं पागल हो जाऊंगी।
ध्रुव! अगर यह सच कह रहा है तो मेरे अस्तित्व पर फिर से सवालिया निशान लग जाएगा!
रुको! जहां हो वहीं रुक जाओ! क्या सुबूत है कि तुम ध्रुव हो?
सुबूत?
अब मुझे ही साबित करना होगा कि मैं ध्रुव हूं?
बिलकुल करना होगा। क्योंकि ध्रुव अब इस दुनिया में नहीं है।
वह मर चुका है।
यह कैसा बेहूदा मजाक है?
मैं ध्रुव हूं! तुम लोग मेरी बात का यकीन क्यों नहीं कर रहे?
नताशा कम से कम तुम तो मेरी बात का यकीन करो।
मैं तुम लोगों के सामने जिंदा खड़ा हूं और तुम लोग मुझे पहचानने से इनकार कर रहे हो!
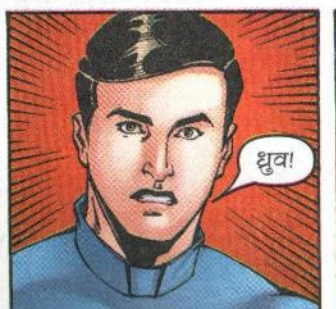
करना पड़ रहा है! क्योंकि अगर तुम ध्रुव हो तो मेरे साथ खड़े शख्स को भी ध्रुव ना मानने की मेरे पास कोई खास वजह नहीं है।
जबकि उसका चेहरा उसके ध्रुव होने की पुष्टि करता है लेकिन सिर्फ तुम्हारे कहने भर से तुम्हें ध्रुव नहीं मान लिया जाएगा!
कहने भर से? क्या तुम लोगों को
ओह! समझा! एक मिनट रुको।
यह...यह क्या कर रहे हो तुम? रुक जाओ। कोई भी असामान्य हरकत...
बस एक मिनट रुक जाओ चंडिका...
...तुम्हारे सारे डाउट्स क्लीयर हो जाएंगे।
व्हीं
व्हीं
अब तो यकीन होगा तुम लोगों को कि मैं ही ध्रुव हूं।
अगर तुम ध्रुव हो तो इतने दिनों तक तुम कहां थे? इस बीच तुम्हें हमारी याद नहीं आई?
मैं... मैं नहीं जानता मैं कहां था, क्या कर रहा था?
मुझे कुछ भी याद नहीं, बस ऐसा लगा कि अभी कुछ देर पहले ही होश में आया हूं।
मुझे इतना याद है कि मैं रोबो का पीछा कर रहा था क्योंकि उसकी वजह से अक्षिता कोमा में...
अक्षिता! अक्षिता कैसी है? वह ठीक तो है?
अक्षिता अब खतरे से बाहर है। कोमा से बाहर आने में उसे पूरे दो महीने लगे।
भगवान का शुक्र है वो ठीक है वरना मैं अपने आप को जिंदगी भर माफ नहीं कर पाता!
लेकिन यह कहानी तो सारा राजनगर जानता है।
इससे यह साबित नहीं होता कि तुम ध्रुव हो।
मैं नहीं जानता कि यहां पर क्या हुआ है। लेकिन मैं इतना जानता हूं कि ना मैं तुम लोगों को एकदम से यकीन दिला सकता हूं और ना ही तुम लोग इतनी जल्दी मेरा यकीन करोगे।
मेरे लिए भी यह स्थिती उतनी ही रहस्य पूर्ण है जितनी तुम लोगों के लिए।
लेकिन

INDUSTRIAL AREA, SECTOR-III, RAJNAGAR.

बौना वामन, डॉक्टर वायरस, चुम्बा और ध्वनिराज को इंडस्ट्रियल एरिया सेक्टर तीन में देखा गया है।

उन्होंने कमांडर फोर्स के कुछ जवानों को मार दिया है और कुछ अन्य बुरी तरह घायल हैं।

हे भगवान! वे सभी तो मैक्सिमम सिक्योरिटी जोन में कैद थे।
बस बहुत हो गया।
वहां चुम्बा, ध्वनिराज जैसे खूंखार अपराधी राजनगर में आतंक फैला रहे हैं। मैक्सिमम सिक्योरिटी जोन की सुरक्षा को बेधा जा चुका है और तुम लोग इस बहस में पड़े हुए हो कि मैं ध्रुव हूं या नहीं।
उस जोन में और भी कई खतरे कैद थे।
अगर वहां कोई अप्रिय घटना घट गई तो राजनगर के हालात बद से बदतर हो जाएंगे।
फिर ना जानने के लिए कुछ बचेगा और ना बताने के लिए!
अब तुम लोग फैसला कर लो कि राजनगर की सलामती तुम लोगों के लिए ज्यादा जरूरी है या मुझसे पूछताछ करना!
ठीक है लेकिन मैं भी तुम्हारे साथ चलूंगी!
लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हमने तुम्हें ध्रुव मान लिया है।
तो ठीक है तुम और नताशा सिक्योरिटी जोन जाओ।
मैं कॉमेट और मिशा के साथ इंडस्ट्रियल एरिया की ओर जाती हूं।

मैं समझ सकती हूं तुम्हारे मन में...
नहीं! मैं ठीक हूं! अब इन सब चीजों का आदि हो चुका हूं मैं!
मेरे यहां आने का कारण एक संभावना थी कि कहीं मेरा ध्रुव से कोई सम्बन्ध हो सकता है।
एक बार के लिए उम्मीद सी बंध गई थी कि मैं ही ध्रुव हूं।
ब्लैक कैट, नताशा, तुम सभी को देख कर लगा कि सभी अपने हो। सालों से जानता हूं मैं तुम लोगों को।
लेकिन कई बार यह चीजें मनघडंत होती हैं। यह हमें सच इसलिए लगने लगती हैं क्योंकि हम उन्हें उसी तरह से देखना चाहते हैं।
मैं भी खुद को ध्रुव की तरह देखने लगा था। लेकिन इस शख्स से मिल कर मेरी झूठी उम्मीद टूट गई।
और जो सच है उसे स्वीकार करने में मुझे कोई दिक्कत नहीं।
इसीलिए अब जो है जितना है उसी में खुश रहना सीख गया हूं मैं!
लेकिन खैर...
हमें चलना चाहिए!
कुछ मेहमान हमसे आवभगत करवाने के लिए आतुर हो रहे होंगे।

ELSEWHERE.
हाहाहा! बधाई हो सुप्रीमो!
देर से ही सही आखिरकार हम अपनी मंजिल तक पहुंच ही गए।
बधाई हो मास्टर एम!
लेकिन तुम्हारे प्लान को मैं अभी भी पूरी तरह से समझ नहीं पाया।
इस ब्रेकआउट में बाकी सुपर विलैंज के आजाद होने से तो हमारा कॉम्पिटिशन और बढ़ जाएगा।
इसमें हमारा कोई फायदा तो मुझे नजर नहीं आ रहा?
इसमें फायदा ही फायदा है सुप्रीमो...

लेकिन हमारा नहीं, सिर्फ मेरा!
फचाक
ईयाा

यह चीखने की आवाज कैसी थी, सुप्रीमो...
ओह! इसने सुप्रीमो को खत्म कर दिया।
शूट हिम!

आाा

गुस्ताखी बर्दाश्त करना मेरी फितरत में नहीं।
आाा

और गुस्ताख लोगों के लिए मेरे पास एक ही सजा है।
सजा-ए-मौत।

शुक्रिया सुप्रीमो! इस मिशन की कामयाबी में तुम्हारा सबसे बड़ा योगदान है।
लेकिन अफसोस! मिशन की सफलता का जश्न मनाने के लिए तुम मौजूद नहीं रहोगे।
भगवान तुम्हारी आत्मा को शान्ति दे।
NEXT LAST STAND
TO BE CONCLUDED.